

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

02362 दिसम्बर, 2014

पी.जी.डी.टी.-02 : अनुवाद का भाषिक और
सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

भाग I

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । 3×20=60

1. वाक्य रचना में पदक्रम के महत्त्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करते समय पदक्रम से सम्बन्धित किन बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है ?
2. पारिभाषिक शब्दावली किसे कहते हैं ? हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय दीजिए ।
3. 'पुनरीक्षण' का अर्थ समझाते हुए अनुवाद के पुनरीक्षण, मूल्यांकन और समीक्षा के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

4. 'बहुभाषिक समाज' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए । बहुभाषिक समाज में विभिन्न स्तरों पर अनुवाद किस प्रकार अनिवार्य हो जाता है ?
5. पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया में अनुवाद की भूमिका का विवेचन कीजिए ।
6. भारत के संविधान में राजभाषा से संबद्ध कुछ मुख्य व्यवस्थाओं का परिचय दीजिए ।

भाग II

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

7. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

20

The proverb that time is money understates the case (पूरी बात नहीं कहता). Time is the essential raw material of everything. Without it, nothing is possible. The supply of time is truly a daily miracle. You wake up in the morning and lo! your purse is magically filled with 24 hours of the raw tissue (तंतु) of your life, ready to be manufactured into something useful and beautiful by you. It is yours. It is the most precious possession as well as a commodity to be utilized by you.

Look, no one can take it from you. It is unstealable. And no one receives either more or less than you receive. Wealth or genius is never rewarded by even an extra hour a day. And even if you waste it, its supply will never be withheld from you. You will keep getting it.

सदियों से मानव ऐसे समाज की कल्पना करता रहा है जहाँ सदा सुख-शांति का साम्राज्य होगा। वहाँ की स्थिति पूर्णतः आदर्शों के साँचे में ढली होगी और वहाँ सामाजिक असमानता का कोई स्थान नहीं होगा। वह समाज अपराधों से मुक्त होगा और ईर्ष्या तथा असंतोष से भी। आदर्श समाज का यह चित्र बड़ा सुखद है लेकिन व्यावहारिक जीवन में क्या इस प्रकार की सामाजिक व्यवस्था संभव है? कार्ल मार्क्स के द्वंद्ववादी सिद्धांत (Theory of Dialectics) में इस सवाल का जवाब देने की कोशिश की गई है। मार्क्स के अनुसार समाज कभी भी स्थिर नहीं होता। वहाँ परिवर्तन (change) और परिवर्धन (growth) की प्रक्रिया सदा चलती रहती है। साथ ही समाज में वाद (thesis) तथा प्रतिवाद (antithesis) — ये दो पक्ष हमेशा उपस्थित रहते हैं। वाद वर्तमान स्थिति का समर्थक होता है और प्रतिवाद यथास्थिति का विरोध करता है। निरंतर संघर्ष के बाद इन दोनों के बीच एक संतुलन स्थापित हो जाता है जिसे संवाद (synthesis) कहते हैं। किन्तु संघर्ष का यह विराम थोड़ी ही देर के लिए होता है क्योंकि इसके मूल्य भी समय के साथ पुराने होने लगते हैं और प्रतिवाद की विचारधारा उनका भी विरोध करने लगती है।

B.A. (Hons)/II
HISTORY - Paper IV

**(The Rise of the Modern West : Mid-15th Century to
the American Revolution)**

(New Course)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Attempt any **four** questions. **All** questions carry equal marks.

1. "One of the characteristic expressions of Renaissance culture was its fascination with nature and experience." Comment.
2. What were the major determinants (निर्धारक) of the early sea voyages and explorations ? Assess their impact on the economy and society of Europe.
3. Compare the nature of absolutism (निरंकुशवाद) in France and England. Analyse their relative strengths and weaknesses.
4. Discuss the view that the Reformation (धर्म-सुधार आंदोलन) was something peculiarly modern, progressive and democratic compared to the religion of the middle ages.

5. What do you mean by the term Commercial Revolution? Mention some of its salient features.
6. What were the pre-capitalist features of the Italian economy in the 15th and 16th centuries? Explain why Italy declined despite these advantages.
7. To what extent was the rise of modern science in Europe a product of contemporary social and intellectual climate?
8. Point out the various dimensions of 'the seventeenth century crisis'. Explain why some countries were more seriously affected by this crisis than others.
9. Is it possible to establish any direct connection between Enlightenment ideas (प्रबुद्धवादी विचार) and the nature of reforms attempted by some of the European rulers?
10. Discuss the structure of politics in England under the Whigs from 1714 to 1760.
11. Explain how mercantilist (वाणिज्यवादी) ideas of economic nationalism were responsible for the intense colonial rivalry of the eighteenth century.

12. The rise of capitalism in Europe can be attributed more to the inner contradictions of the feudal economy than to the expansion of trade and markets.
